प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

पंचदश बिहार विधान सभा के तृतीय सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर मैं आप सबों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान राजकीय विधेयक, गैर सरकारी संकल्प तथा वित्तीय वर्ष 2011-12 के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी का व्यवस्थापन प्रस्तावित है।

संसदीय लोकतंत्र के सामने लोगों की बढ़ती आशाओं तथा आकांक्षाओं को पूरा किया जाना बड़ी चुनौती है । आज हम अधिक स्वतंत्र हैं, परन्तु आर्थिक रूप से कम सुरक्षित हैं । हम विश्वव्यापीकरण, उदारीकरण, निजीकरण तथा तीव्र सूचना प्रौद्यौगिकी के युग में रह रहे हैं, इसलिए सदन के अन्दर और बाहर हमें सच्चाई एवं ईमानदारी से पारदर्शिता रखते हुए लोगों को न्याय दिलाना होगा, जिसकी परिकल्पना भारत के संविधान निर्माताओं ने किया था । आज भारतीय राजनीतिक व्यवस्था बड़े निर्णायक दौर से गुजर रही है । अब जनता अपने तथा जन-प्रतिनिधियों के अधिकारों तथा उत्तरदायित्वों के बारे में अधिक जागरूक हो चुकी है और अपने प्रतिनिधियों से उच्च आकांक्षाऐं रखती है ।

अतः हम सभी को आज राजनीतिक एवं सार्वजनिक जीवन में अधिक से अधिक पारदर्शिता लाकर संसदीय प्रणाली को सुदृढ़ बनाना होगा तथा लोकतंत्र के इस सर्वोच्च संस्था की गरिमा को अक्षुण्ण रखना होगा ।

पूर्व की भाँति सदन में प्रश्नोत्तरकाल का आकाशवाणी तथा दूरदर्शन से सीधा एवं डेफर्ड प्रसारण कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे बिहार के आम-अवाम सदन में आपकी गतिविधियों से रू-ब-रू होते रहें ।

मुझे आशा और विश्वास है कि सदन के संचालन में आप सभी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा ।